भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 778

सोमवार, 7 फरवरी, 2022/18 माघ, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अवसंरचना सृजन हेतु झांसी को वित्तीय सहायता

778. श्री अनुराग शर्माः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पर्यटकों की संख्या को बढ़ाने के लिए अवसंरचना निर्माण हेतु उत्तर प्रदेश को, विशेषरूप से झांसी को कोई सहायता प्रदान की है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान तत्संबंधी परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का चालू वर्ष में राज्य को सहायता प्रदान करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ) : पर्यटन अवसंरचना का विकास प्रमुख रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) और 'केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' की अपनी योजनाओं के तहत पर्यटन विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। सहायता राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों के परामर्श से प्रदान की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत की जाती है।

योजनाओं के तहत अवसंरचना संबंधी विकास हेतु राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करना एक सतत प्रक्रिया है। उत्तर प्रदेश में उक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में झांसी का विकास शामिल नहीं है।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य में 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन' (प्रशाद) और 'केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' की योजनाओं के तहत पिछले तीन वर्षों सहित स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

स्वदेश दर्शन योजना **(करोड़ रु में)**

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि
1	श्रावस्ती, कुशीनगर से कपिलवस्तु में बौद्ध परिपथ का विकास	2016-17	99.97
2	रामायण परिपथ के तहत चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	2016-17	69.45
3	उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर-बस्ती-आहर-अलीगढ़-कासगंज-सरोसी-प्रतापगढ़-उन्नाव-कौशांबी-मिर्जापुर-गोरखपुर-कैराना- डोमरियागंज-बागपत-बाराबंकी-आजमगढ़ में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	2016-17	65.61
4	उत्तर प्रदेश में बिजनौर-मेरठ-कानपुर-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी-बलिया-अम्बेडकरनगर-अलीगढ़-फतेहपुर-देवरिया-महोबा-सोनभद्र-चंदौली-मिश्रीख-भदोही में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	2016-17	67.51
5	कालिंजर किला (बांदा)- मगहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - मौहर स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) में विरासत परिपथ का विकास	2016-17	33.97
6	रामायण परिपथ के तहत अयोध्या का विकास	2016-17	127.21
7	जेवर-दादरी-सिकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	2018-19	12.03
8	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डोमरियागंज) में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	2018-19	15.76
9	उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी-गया; लखनऊ-अयोध्या-लखनऊ; गोरखपुर-कुशीनगर; कुशीनगर-गया- कुशीनगर मार्ग पर एमओआरटीएच के सहयोग से मार्गस्थ सुविधाओं का विकास	2018-19	15.07

प्रशाद योजना **(करोड़ रु में)**

क्र सं	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि
1.	मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास (चरण-II)	2014-15	14.93
2.	वृंदावन, मथुरा जिले में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण।	2014-15	9.36
3.	वाराणसी का विकास-चरण-I	2015-16	20.40
4.	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	2017-18	10.72
5.	प्रशाद योजना के तहत वाराणसी का विकास चरण -II	2017-18	44.60
6.	गोवर्धन, मथुरा में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2018-19	39.74

केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना **(करोड़ रु में)**

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**
1.	वाराणसी और सारनाथ में स्मारकों पर प्रकाश व्यवस्था	2014-15	5.12
2.	वाराणसी में 3 स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था	2017-18	2.94
3.	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर नदी क्रूज के चढ़ने/उतरने के नौ (09) मुख्य बिंदुओं पर जेट्टी का विकास जिसमें उत्तर प्रदेश में वाराणसी और प्रयागराज भी शामिल हैं।	2019-20	28.03

****